रोचक अंक

विज्ञान प्रगति के अधिकतर कालम शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक तथा प्रतियोगिता के लिए बेहद सहयोगी और समर्पित होते हैं। नवीन जानकारी लिए सितम्बर 2012 का अंक बहुत ही रोचक लगा। मेरे लिए विज्ञान प्रगति की प्रशंसा करना सूरज को दीपक दिखाना जैसा है। सितम्बर 2012 के अंक की आमुख कथा सीएसआईआर-निस्केयर के 60 वर्ष बहुत पसंद आयी।

एक सोच के अन्तर्गत 'जन-जन तक विज्ञान की संवाहिका विज्ञान प्रगति' लेख द्वारा विज्ञान प्रगति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके अलावा विशेष लेख 'सुनीता विलियम्स : अंतरिक्ष परी फिर उड़ पड़ी' बेहद पसंद आया।

क्या है विज्ञान प्रगति?

सुस्पष्ट, सुव्यवस्थित विचार
जब मन-मस्तिष्क में आये
उसे संज्ञान कहते हैं।
उसमें हो यदि सत्यता, परिपूर्णता
सच्चाई विचारों की
तो उसे ज्ञान कहते हैं।
नहीं तथ्य करते हों विवेचना
ज्ञान की हो क्रमबद्धता
तो इसे विज्ञान कहते हैं।
मिथ्या आडंबर/प्रपंच/बकवास
तथा-कथित आचरण
उसे ही अज्ञान कहते हैं।
उन्मुक्त आसमान में हो
परिन्दों की तरह बसेरा
उसे ही उड़ान कहते हैं।
वेग हो/आवेग हो/सम्वेग हो
हो कुछ कर-गुजरने की चाहत
उसे गति कहते हैं।
सुस्पष्टता हो पारदर्शिता हो
हो विकास की धारा जिसमें
उसे ..... उन्नति कहते हैं।
सत्य/तथ्य/साक्ष्य का हो संगम
सत्यम, शिवम, सुन्दरम
उसे ही विज्ञान प्रगति कहते हैं।

श्री उमाशंकर मिश्र, ऑडिटर-कर्मचारी राज्य बीमा निगम, वाराणसी (उ.प्र.) [मो.: 09727394169; 08858627496]

गुणवत्तापूर्ण पत्रिका

विज्ञान प्रगति एक गुणवत्तापूर्ण पत्रिका है, जो नवीनतम सामयिक जानकारी सरल शब्दावली में प्रति माह प्रस्तुत करती है। विज्ञान प्रगति का पाठक इसकी सामग्री से लाभ उठाकर कैरियर में प्रगति की राह पर चल सकता है। परमाणु वैज्ञानिक होने के कारण इस पत्रिका के लेख मेरे लिए बहुत उपयोगी होते हैं। समय प्रबन्धन भी कला के साथ विज्ञान है। समय का सदुपयोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण देता है। समय विज्ञान अपनाने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है एवं कैरियर की सीढ़ियां चढ़ता जाता है।

विज्ञान प्रगति एक सकारात्मक सोच का ज्वलंत उदाहरण है। इस पत्रिका की सोच मात्र आधा भरा ही नहीं पूरा भरा, सच में यह छलकता गिलास है।

श्री दिलीप भाटिया, 372/201, न्यू मार्किट, रावतभाटा 323307 [मो : 09461591498; ई-मेल : dileepkailash@gmail.com]

हमारी प्रिय पत्रिका : विज्ञान प्रगति

हमारे देश के अधिकांश क्षेत्र ग्रामीण परिवेश एवं साधनों के अभाव के कारण उच्च स्तरीय जानकारियों से वंचित रह जाते हैं। अनेक छात्र-छात्राएं ज्ञान विज्ञान से संबंधित अपनी शंकाओं के समाधान के साथ-साथ सटीक जानकारी चाहते हैं पर उन्हें वह सुलभ नहीं हो पाती है। ऐसी स्थिति में आशा की मात्र एक ही किरण दिखलायी पड़ती है - हमारी प्रिय पत्रिका 'विज्ञान प्रगति'।

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक और संग्रहकर्त्ता हूँ और मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि मैं कई लोगों को इस पत्रिका से जोड़ने में भी सफल रहा हूँ। मेरी समस्त शंकाओं का समाधान करते हुये आशा से कहीं अधिक ज्ञान प्रदान करने वाली यह पत्रिका विज्ञान प्रगति मेरे लिये किसी सच्चे मित्र से कम नहीं है। इसके नवीन अंकों का मुझे बेसब्री से इंतजार रहता है। पुराने अंकों के संग्रह पर जब नजर डालता हूँ तो अजीब सी खुशी मिलती है। मुझे विश्वास है कि विज्ञान प्रगति उत्तरोत्तर प्रगति करती हुई जनमानस को ज्ञान का उपहार देती रहेगी। ज्ञान-विज्ञान का जन-जन में संचार करती हुई इस पत्रिका का वास्तव में कोई विकल्प नहीं है।

ज्ञान और विज्ञान का भण्डार है विज्ञान प्रगति।
पाठकों के लिए तो उपहार है विज्ञान प्रगति।।
पथप्रदर्शक, मित्र बनकर साथ देती जो सदा।
भावनाओं से भरा संसार है विज्ञान प्रगति।।

श्री अनूप कुमार शर्मा 'अनुपम', सुपुत्र श्री अम्बिका प्रसाद शर्मा, तिवारी मुहल्ला, मोंठ, झांसी (उ.प्र.) [मो. : 08173987986]

मागदर्शक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति की नई सदस्या हूँ। एक मित्र के माध्यम से इस अमूल्य खजाने से मेरी भेंट हुई। मैं बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा हूँ। मुझे सितम्बर 2012 का अंक मिला। मुझे यह रोचक और ज्ञानवर्धक लगा। पहले मैंने सिर्फ इसका अनुभव लेने के लिए इस पत्रिका को लिया। फिर मैंने इसका सफर आगे बढ़ाया। गांव-गांव, शहर-शहर तक विज्ञान प्रगति का प्रसार है और तहे दिल से मैं चाहती हूँ इसकी तरक्की दिन दुगुनी और रात चौगुनी हो। इस अंक की आमुख कथा से काफी जानकारी प्राप्त हुई। विज्ञान प्रगति विज्ञान की एक मार्गदर्शक पत्रिका है। एक कहावत है 'बिन मांगे मोती मिले, मांगे मिले न भीख'। मेरे हर सवाल का जबाब बिन मांगे बहुत सहजता से विज्ञान प्रगति में मिल जाता है। सवाल जब-जब, जवाब तब-तब! बहुत अच्छा लगता है। इस शीर्षक के माध्यम से हर प्रकार की जिज्ञासाओं का समाधान हो जाता है। विज्ञान प्रगति एक नाव की भांति है जो मेरे मन में उठे सवालों को किनारे लगा देती है। 'एक सोच' शीर्षक में पुराने पाठकों से भेंट हुई। सबके मत और विचारों को सुना लगा कि भगवान राम की केवट से भेंट हो रही हो। सभी पुराने पाठकों की दिल की गहराई 'एक सोच' में सामने आयी। नवीन जानकारी में सभी गूढ़ रहस्यों का पता चला। विशेष लेख भविष्य धन ज्ञान प्रबन्धन से भारतीय परम्परा, अंतरजाल,एक्सएमएल फीड आदि से संबंधित जानकारियां मिलीं। सुनीता विलियम्स के बारे में पढ़कर बहुत गर्व महसूस हुआ।

कु. स्नेह यदुवंशी, सुपुत्री श्री प्रेमपाल सिंह, ग्रा.-धनेली, पो.-क्योरार, जि.-रामपुर (उ.प्र.)

उपयोगी पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का विगत एक वर्ष से नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति के माध्यम से प्राप्त होने वाली जानकारियां विद्यार्थियों के अलावा प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के लिये बहुत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक होती हैं। मैं इस समय प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी में जुटा हूँ। मेरे इस अध्ययन काल के दौरान अगर किसी पत्रिका रूपी दोस्त ने मेरी मदद की है तो वह है विज्ञान प्रगति। विज्ञान प्रगति का हर अंक लाजवाब, रोचक व ज्ञानवर्धक होता है। भारतीय प्रशासनिक परीक्षाओं में विज्ञान का काफी भाग विज्ञान प्रगति में मिल जाता है। पत्रिका की सफलता तथा निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

श्री गणेश मानिकराव सरोदे, गाडगे नगर, पुलगांव, त.-देवली, जि.-वर्धा 442302 (महाराष्ट्र) [मो. : 08600202929]

ऐतिहासिक उपलब्धि

विज्ञान प्रगति का सितम्बर 2012 का अंक ऐतिहासिक अंक लगा। यह अंक अपने आप में दोहरे हर्ष का कारण समेटे हुए है। पहली खुशी की बात तो यह है कि सीएसआईआर- निस्केयर ने अपने 60 वर्ष पूरे कर लिए और दूसरी सुखद अनुभूति यह कि मेरे हाथों में जो अंक है वह विज्ञान प्रगति का 700वां अंक है, जोकि विज्ञान के हर पक्ष के लिए गौरवमयी उपलब्धि है।

इस अंक की आमुख कथा 'सीएसआईआर-निस्केयर के 60 वर्ष' में हमें निस्केयर की स्थापना, कार्यप्रणाली, उद्देश्य और भारत की अब तक की विज्ञान यात्रा में इसके योगदान के बारे में विस्तृत रूप से जानने का अवसर प्राप्त हुआ। कई विशेष अंकों व पुस्तकों का विवरण मिला। सवाल-जवाब कालम में रोचक प्रश्नों के सटीक उत्तर पढ़कर जिज्ञासु मन को अच्छा लगा। अनीता बाली जी द्वारा लिखित विशेष लेख 'भविष्य धन ज्ञान प्रबंधन' प्रतियोगी छात्रों के लिए अति लाभदायक सामग्री समेटे है। विज्ञान

प्रगति मेरे जैसे लाखों प्रतियोगी छात्रों, शिक्षकों, ज्ञानपिपासु सामान्यजनों हेतु एक सक्षम, सुव्यवस्थित और ज्ञानपूर्ण पत्रिका है। पत्रिका अवश्य ही 700 अंकों पुरानी हो चुकी है, परन्तु सन्निहित सामग्री और विषय नित नवीन ही प्राप्त हो रहे हैं। प्रतीक्षा है अगले अंक की, उत्सुकता है कुछ और नया सीखने की, विज्ञान से खुद को जोड़ने की।

श्री शैलेन्द्र कुमार रस्तोगी, सुपुत्र श्री राकेश कुमार रस्तोगी, ग्रा व पो.- रेउसा, बिसवां, जि.-सीतापुर (उ.प्र.)
[मो. : 08376950699, 09956020165]

विकास की गंगा

मैं विज्ञान प्रगति का एक नियमित पाठक हूँ। मुझे विज्ञान प्रगति का सितम्बर 2012 का अंक प्राप्त हुआ। मैंने विज्ञान प्रगति पढ़कर प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार की गैसें, शहद, दूध, तेल, पानी को साफ करना, आग को बुझाना तथा जलाने के परीक्षण किए जो कि पूर्ण रूप से सही निकले।

ठा. उपेन्द्र प्रताप, सुपुत्र श्री अतरपाल सिंह, गांव-निवाड़ खास, पो.-मानपुर (वायां टांडा) जि. व तह. मुरादाबाद (उ.प्र).
[मो. : 9536697465, 9758126771]

ज्ञानमयी पत्रिका

मैं बी.एससी. की छात्रा हूँ और इस अनोखी पत्रिका 'विज्ञान प्रगति' की पिछले तीन माह से नियमति पाठिका हूँ। मैं महसूस कर रही हूँ कि विज्ञान प्रगति से मुझे अति महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हो रही हैं। विज्ञान समाचार एवं सवाल जवाब स्तंभ बहुत पसंद आते हैं। मैंने जुलाई 2012 का अंक पढ़ा, जिसमें मुझे अग्नि-V के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। मुझे यह पढ़कर अति प्रसन्नता हुई कि लड़कियां भी विज्ञान के क्षेत्र में लड़कों से कम नहीं हैं। इसमें मुझे सुश्री टेसी थॉमस जी के बारे में पढ़ने को मिला। ये महिला एक वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि अग्नि-V की निदेशक भी बनीं तथा सफल प्रक्षेपण भी किया। हम सभी भारतीय लड़कियों को इससे सीख लेनी चाहिए। इस अंक के विशेष लेख में मुझे भारतीय रेल के बारे में विस्तृत जानकारियां प्राप्त हुईं। अगस्त 2012 अंक की आमुख कथा 'सुन्दरता में लिपटी सुरक्षा' बेहद पसंद आयी तथा 'अल्फा और ड्रैगन' के बारे में विशेष लेख पढ़ने को मिला। इस अंक में मुझे सबसे आकर्षित लेख 'नया आर्टिकल गॉड पार्टिकल' लगा। अन्त में मेरी तरफ से इतनी अच्छी व आकर्षित करने वाली पत्रिका प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद!

सुश्री सोनी श्रीवास्तव, सुपुत्री श्री धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, खलका बाजार, चैनपुर, पो.-चैनपुर, जि.-सीवान 891203 (बिहार)

बेशकीमती पत्रिका

मैं बी.एससी. प्रथम वर्ष का छात्र हूँ। मैं समझता हूँ कि विज्ञान प्रगति एक बेशकीमती पत्रिका है और इसकी उपयोगिता को आंका नहीं जा सकता है। मैं विज्ञान प्रगति का 2012 से नियमित पाठक बना हूँ। मुझे प्रत्येक माह के अंक का बेसब्री से इन्तजार रहता है। मुझे जुलाई 2012 का विशेष लेख 'नागर विमानन के 100 वर्ष' बहुत पसंद आया। चूंकि में एयर इण्डिया में अपना कैरियर बनाना चाहता हूँ इसलिए मेरे लिए विज्ञान प्रगति का यह अंक अति महत्वपूर्ण था। विज्ञान प्रगति एक इतिहास है, जिसमें विज्ञान के साक्ष्यपूर्ण कथनों को ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में संग्रह किया जाता है। विज्ञान प्रगति में प्रकाशित जानकारियां समुद्र की गहराई की तरह होती हैं। मेरा संपादक जी से अनुरोध है कि वे इस पत्रिका को ऐसे ही आगे बढ़ाते जाएं और हम जैसे विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन करते जाएं।

श्री योगेश कुमार गोला, सुपुत्र श्री गिरीश चन्द्र गोला, कटरा बाजार, सहावर टाउन, कासगंज 207 295 (उ.प्र.)
[मो. : 09720016868, 08923807023, 09536482115]

अद्वितीय अंक

मैं विज्ञान प्रगति का एक नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति के सितम्बर 2012 अंक में प्रकाशित लेखों में सभी लेख अत्यन्त उपयोगी रहे जो हमेशा की तरह रोचक जानकारियों एवं अद्वितीय ज्ञानवर्द्धन करने वाली जानकारियों से परिपूर्ण रहे। विज्ञान प्रगति में प्रकाशित लेखों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों मुख्यतः छात्र व छात्राओं को नवीन जानकारियां प्राप्त होती हैं। विज्ञान प्रगति में दिए गए लेख जहां एक ओर ज्ञानवर्द्धन एवं मनोरंजन करते हैं वहीं दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में उत्तीर्ण होने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। इस अंक के लेखों में 'सवाल जब जब, जवाब तब तब! 'विज्ञान समाचार', 'भविष्य धन ज्ञान प्रबंधन', 'सुनीता विलियम्स : अंतरिक्ष परी फिर उड़ पड़ी' आदि विशेष उल्लेखनीय रहे। मैं अपने सभी प्रबुद्ध सहपाठियों एवं दोस्तों से आग्रह करता हूँ कि हम जीवन में कभी भी असफलता से हार मानकर पीछे न हटें।

जब हम निरन्तर मेहनत करेंगे तो एक दिन सफलता हमारे कदम चूमेगी। अंत में विज्ञान प्रगति के 60 वर्ष पूर्ण होने एवं 700वें अंक के सफल प्रकाशन के लिये विज्ञान प्रगति परिवार को अपार शुभकामनाएं।

श्री धर्मेन्द्र कुशवाहा, सुपुत्र श्री काशीराम कुशवाहा, 263/1, लाल्ले की टौरिया, उर्दू मीडियम स्कूल के पास, बरुआसागर 284201 झांसी (उ.प्र.) [मो. : 08924880572, 09598954877; ई-मेल : engineerdharmendra1995@gmail.com]

विज्ञान प्रगति-प्रेरणापुंज

मैं विज्ञान प्रगति की विगत दो वर्षों से नियमित पाठिका हूँ। इस पत्रिका का प्रत्येक अंक पठनीय होता है। अगस्त 2012 के अंक में प्रकाशित आमुख कथा सुन्दरता में लिपटी सुरक्षा, विशेष लेख नया आर्टिकल गॉड पार्टिकल एवं रोचक जानकारी के अन्तर्गत धरती के नीलकंठ : धतूरा एवं मदार बहुत ही अद्वितीय एवं ज्ञानवर्धक लगे। सवाल-जबाब, विज्ञान समाचार एवं विज्ञान क्विज़ बहुत पसंद आए। यह पत्रिका एक प्रेरणापुंज है जिसके आलोक में ज्ञान-विज्ञान जन-जन तक स्फुटित हो रहा है। छात्र वर्ग के लिए यह पत्रिका बहुत ही उपयोगी है। मैं विज्ञान प्रगति पढ़ती हूँ और औरों को भी पढ़ने हेतु प्रोत्साहित करती हूँ। हीरक जयंती वर्ष पर संपादक महोदय, लेखकगण एवं प्रकाशन समूह के समस्त सदस्यों को मेरी हार्दिक बधाइयां।

सुश्री श्रुति आर्य, सुपुत्री श्री किशोर प्रसाद साह, साहेबगंज, चम्पानगर, भागलपुर-812004 (बिहार)
[मो. : 09798393295, 07654830692]

प्रेरणादायक पत्रिका

विज्ञान प्रगति के 700वें अंक के लिए हार्दिक बधाइयां। सितम्बर 2012 की आमुख कथा के माध्यम से सीएसआईआर- निस्केयर के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। मैं विज्ञान प्रगति का विगत एक वर्ष से नियमित पाठक हूँ और आपको यह जानकर अत्यन्त हर्ष होगा कि मेरा चयन तृतीय श्रेणी शिक्षक के रूप में हो गया है। विज्ञान प्रगति ने मेरी सफलता में संजीवनी का काम किया है। यह वाकई एक प्रेरणादायक पत्रिका है। मुझे इसके हर अंक का बेसब्री से इंतजार रहता है और इसे पढ़ने पर सुकून मिलता है। 'सवाल जब-जब, जवाब तब तब' स्तंभ ने पत्रिका को और अधिक रोचक बना दिया है। विशेष लेख में सुनीता विलियम्स का साक्षात्कार काफी महत्वपूर्ण लगा। मैं अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों के साथ-साथ विज्ञान प्रगति को भी देता हूँ।

श्री अर्जुन विस्णोई, एकलखोरी, औसियां, जोधपुर 342 306 (राजस्थान) [मो. : 09462771851]

सराहनीय अंक

सर्वप्रथम मैं विज्ञान प्रगति के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बधाई देना चाहूँगा। मुझे अगस्त 2012 का अंक बहुत सराहनीय लगा। इस अंक में सुन्दरता में लिपटी सुरक्षा, अल्फा और ड्रैगन, असली अलसी के बारे में पढ़कर आनंद का अनुभव हुआ और सवाल-जवाब तो सोने पर सुहागा लगा। वास्तव में यह पत्रिका विश्वसनीय पत्रिकाओं में से एक है मुझे इस पत्रिका के हर माह का अंक एक रूचिकर व ज्ञानवर्धक लगता है।

डा. कैलाश गोयल, सुपुत्र श्री हड़वन्ताराम गोयल, ग्राम-पोस्ट डांगरी, त.-फतेहगढ़, जि.-जैसलमेर (राजस्थान)
[मो. : 09660363297, 08947909677]

अनमोल अंक

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मुझे विज्ञान प्रगति के हर अंक का वेसब्री से इंतजार रहता है। अगस्त 2012 में प्रकाशित आमुख कथा सुन्दरता में लिपटी सुरक्षा, विशेष लेख अल्फा और ड्रैगन ज्ञानवर्धक लगे। इसके अलावा औषधीय पादप असली अलसी, संकटग्रस्त सर्पगंधा : कारण एवं निवारण, धरती के नीलकंठ : धतूरा और मदार, सवाल जवाब, विज्ञान समाचार, विज्ञान क्विज़ व चित्रकथा ज्ञानवर्धक लगे।

श्री जितेन्द्र कुमार पासवान, सुपुत्र श्री मोहन पासवान, ग्राम - पहलाम, पो. - पहाड़पुर, प्रखण्ड - बनमा ईटहरी, वाया - सिमरी बख्तियारपुर, जि.-सहरसा (बिहार)
[मो. : 09631090817, 08051434603]